Title: Need to strengthen the "Health for All-2000" scheme to provide more facilities at Public Health centres and also give financial aid to State Government in this regard.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, आज गांवों में स्वास्थ्य सेवायें दयनीय स्थिति में हैं। हमारे शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की ओर ध्यान सब का जा रहा है लेकिन गांवों की तरफ ध्यान दिया जाना चाहिये, वह नहीं जा रहा है। गांवों में स्वास्थ्य सेवायें चिन्तनीय हैं। राज्य सरकारें न तो गांवों में दवाइयां उपलब्ध करा रही हैं और न डाक्टर्स भेज रही है। जिन डाक्टर्स का ट्रांसफर गांवों में हो जाता है, वे वहां पहुंचते नहीं। गांवों के स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा और चिकित्सकों एवं दवाओं का अभाव रहता है। डाक्टर्स लोग गांवों में जाना पसंद नहीं करते। उनके आवास की वहां कोई व्यवस्था नहीं होती है। औषधियों की आपूर्ति भी नहीं हो पाती है। कई पुरानी बिल्डिंग्स धनाभाव के कारण जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। बरसात के दिनों में पानी टपकता रहता है। गांवों में मलेरिया, टी.बी. और वायरल बुखार से पीड़ित लोग दवा के अभाव में कई दफा अनायास ही मौत के शिकार हो जाते हैं। हालांकि स्वास्थ्य राज्य सरकार का विषय है लेकिन जब उनसे कहा जाता है तो वे कहती हैं कि संसाधनों का अभाव है।

MR. SPEAKER: How can you read the printed matter during 'Zero Hour'?

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि 'सबके लिये स्वास्थ्य 2000' कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाकर स्वास्थ्य केन्द्रो, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में औषधियों की समुचित व्यवस्था के लिये राज्यों को सहायता तथा अनुदान प्रदान करे।